>

Title : Need to involve local MPs in implementation of Sarva Siksha Abhiyan Scheme in respective constituencies of the country.

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): चेयरमैन साहब, सैण्ट्रल गवर्नमेंट ने एक सर्व शिक्षा अभियान फॉर क्वालिटी एजुकेशन ऑफ दि चिल्ड्रेन जो इण्ट्रोडयूस किया था, उसका पूरा नाम बदल कर आध्र प्रदेश में राजीव विद्या मिशन के नाम से उसको चला रहे हैं। उसमें मेन इम्पोर्टेंट फैक्टर यह है कि स्टेट गवर्नमेंट ने एक जी.ओ. नं. 130 निकाला है। इस जी.ओ. के अनुसार जितनी भी पावर्स वगैरह, रूल्स वगैरह हैं, वे पूरे चेंज करके अपनी कन्विनिएंस से इसको लागू कर रहे हैं। उसमें एक्स्ट्रा स्कूल बिल्डिंग्स बनाने का, एडीशनल क्लास रूम्स बनाने का, टॉयलेट्स बनाने का, जो भी इस स्कीम के अन्दर कंस्ट्रक्शन करने का काम है, उसमें एम.पी. को कोई पूछने वाला नहीं है। लोकल एम.पी. का, लोक सभा एम.पी. का उसमें इन्वोल्वमेंट बिल्कुल नहीं है। उसी की वजह से जो फंड्स उधर से आ रहे हैं, उनका कोई प्रोपर यूटीलाइजेशन नहीं हो रहा है। उसको स्टेट गवर्नमेंट और सैण्ट्रल गवर्नमेंट दोनों हमारी स्टेट में कांग्रेस की गवर्नमेंट होने की वजह से अपने-अपने लोकल आदमियों को देकर, लोकल अपने लीडर्स को देकर इस तरह से फंड्स को बर्बाद कर रहे हैं।[R13] इसमें हम लोगों का स्ट्रंग व्यू है कि इसमें लोकल एमपी का पूरा इन्वॉल्वमेंट होना चाहिए। जिस तरह से प्रधानमंत्री सड़क योजना के लिए था, उसी तरह से इसमें भी लोकल एमपी का इन्वॉल्वमेंट होना चाहिए।